# विषय बिन्दु

## विषय- शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियाँ एवं हमारी भूमिका

1. प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति।
2. प्राचीन दर्शनों का शिक्षा में योगदान।
3. शिक्षा का स्वरुप व उसका कारण।
4. शिक्षा के क्षेत्र में हमारी भूमिका।
5. शिक्षा का व्यवसायीकरण ।
6. विद्याभारती की शिक्षा के प्रति दूरदृष्टि।
7. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का व्यावहारिक क्रियान्वयन।
8. अन्य राष्ट्रीय चुनौतियाँ और हमारी भूमिका

• अशिक्षा • अंध विश्वास • रूढ़िवादिता • अश्पृश्यता • क्षेत्रवाद

• भाषावाद • नक्सलवाद • गरीबी बेरोजगारी • भ्रष्टाचार।

9. समस्याओं के निदान के लिए- लोक जागरण,

   लोक संग्रह, लोक संस्कार के कार्य।

10. भारत केन्द्रित शिक्षा की स्थापना।

# विषय बिन्दु

## विषयः- हमारी गौरवशाली परम्पराएं

1. भारत का गौरवशाली अतीत एवं वर्तमान।
2. भारत की प्राचीनता।
3. प्राचीन इतिहास के स्वर्णिम बिन्दु।
4. विश्व को भारत की देन- ज्ञान एवं विज्ञान के क्षेत्र में।
5. इतिहास के साथ छेड़छाड़ और उसका परिमार्जन।
6. अतीत के आधार पर भविष्य की संकल्पना।
7. वर्तमान की उपलब्धियाँ।
8. हमारी श्रेष्ठ संस्कृति एवं परम्पराएं।
9. हमारी गौरवशाली संस्कृति।
10. परम्पराएं एवं इनका परिमार्जन।

# विषय बिन्दु

**विषयः- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विविध समवैचारिक संगठनों का परिचय**

1. संघ की स्थापना क्यों?
2. संघ का विकास।
3. संघ का समाज जीवन पर प्रभाव।
4. सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप समवैचारिक संगठनों का व्याप।
5. संगठनों का कार्य एवं समाज में प्रभाव-

- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद
- अखिल भारतीय मजदूर संघ
- विश्व हिन्दू परिषद
- वनवासी कल्याण आश्रम
- ग्राहक पंचायत
- सेवा भारती
- सहकार भारती
- संस्कार भारती
- अधिवक्ता परिषद
- सिख संगत
- भारतीय जनता पार्टी
- संस्कृत भारती
- क्रीड़ा भारती
- राष्ट्र सेविका समिति
- विद्या भारती
- पूर्व सैनिक परिषद
- भारतीय शिक्षक संघ

# विषय बिन्दु

**विषय- आचार्यत्व एक वृत्ति है, व्यवसाय नहीं**

1. वृत्ति एवं व्यवसाय में अन्तर।
2. आचार्य के गुण।
3. आचार्य के व्यवहार का समाज पर प्रभाव।
4. आचार्य से समाज की अपेक्षा ।
5. आचार्य का शिक्षा जगत में योगदान।
6. संगठन एवं देश के प्रति प्रतिबद्धता।
7. दक्षता आधारित कार्य एवं परिणाम।
8. राष्ट्रनिर्माण की भावना।
9. छात्र एवं समाज सर्वोपरि।
10. त्याग, समर्पण एवं परिणाम।

# विषय बिन्दु

## विषय- हमारा गौरवशाली अतीत एवं वर्तमान

1. भारत की प्राचीनता।
2. प्राचीन इतिहास के स्वर्णिम बिन्दु।
3. विश्व को भारत की देन-ज्ञान एवं विज्ञान के क्षेत्र में।
4. इतिहास के साथ छेड़छाड़ और उसका परिमार्जन।
5. अतीत के आधार पर भविष्य की संकल्पना।
6. वर्तमान की उपलब्धियाँ।
7. स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत।
8. स्वस्थ भारत, समर्थ भारत।
9. समर्थ भारत, सशक्त भारत।
10. आत्मनिर्भर भारत, विश्वगुरु भारत।

# विषय बिन्दु

## विषय- हमारा लक्ष्य

1. विद्याभारती का लक्ष्य एवं दूरदृष्टि।
2. राष्ट्र के मूलभूत तत्व।
3. राष्ट्रीय शिक्षा की अवधारणा।
4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अवधारणा।
5. भारत केन्द्रित शिक्षा की अवधारणा।
6. बालक के समग्र विकास की अवधारणा।

- शारीरिक विकास
- प्राणिक विकास
- मानसिक विकास
- बौद्धिक विकास
- आध्यात्मिक विकास

7. हिन्दुत्व का अधिष्ठान।
8. हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से प्रेरित पीढ़ी का निर्माण।
9. समाज की वर्तमान चुनौतियों का समाधान।
10. सेवा एवं समर्पण (अभावग्रस्त लोगों का सहयोग)।
11. शोषण एवं अन्याय से मुक्ति।
12. समरस, सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत राष्ट्र का निर्माण।

# विषय बिन्दु

## विषय- पंचकोश- व्यक्तित्व विकास का आधार

1. पंचकोश की अवधारणा।
2. अन्नमय कोश (शरीरमाद्यं खलु धर्मं साधनम्)।
3. प्राणमय कोश (प्राणवायु, पंचप्राण- अपान, समान, प्राण, उदान और व्यान)
4. मनोमय कोश (मन की असीम शक्तियां एवं संगीत सृष्टि)।
5. विज्ञानमय कोश (बुद्धि का विकास)।
6. आनन्दमय कोश (आत्मा का विकास)।
7. व्यक्ति का समग्र विकास।
8. व्यष्टि, सृष्टि, समष्टि एवं पर्मेष्टि गत विकास।
9. पंचतत्व (क्षिति, जल, पावक, गगन, समीर)।
10. तन्मात्रायें (रुप, रस, गंध, शब्द एवं स्पर्श)

# विषय बिन्दु

## विषय- राष्ट्र जागरण में मातृशक्ति (नारी शक्ति) का योगदान।

1. हमारी मातृशक्ति।
2. राष्ट्र जागरण समिति।
3. महान नारियों (सीता, सावित्री, दुर्गा, जीजाबाई आदि) का योगदान।
4. आधुनिक काल की महान नारियों का योगदान।
5. हमारी साहित्य क्षेत्र की नारियाँ।
6. हमारी सांस्कृतिक क्षेत्र की नारियाँ।
7. हमारी शैक्षिक क्षेत्र की नारियाँ।
8. हमारी वैज्ञानिक एवं अंतरिक्ष क्षेत्र की नारियाँ।
9. स्वाधीनता प्राप्ति में मातृशक्ति का योगदान।
10. विविध क्षेत्रों में मातृ शक्ति का योगदान।

'नारी तू नारायणी

नारी तू अबला नहीं सबला है।

कहा मनु ने कि ''नारी का जहाँ सम्मान होता है,

वहाँ पर देवताओं का अमन स्थान होता है।''

# विषय बिन्दु

## विषय- कुटुम्ब प्रबोधन।

1. भारतीय/हिन्दू परिवार की संकल्पना।
2. व्यक्ति परिवार समाज की इकाई।
3. संयुक्त परिवार का महत्व।
4. एकल परिवार की समस्याएं।
5. पारिवारिक रिश्ते एवं संबोधन

- दादा-दादी
- नाना-नानी
- चाचा-चाची
- ताऊ-ताई
- भाई-बहिन
- बुआ-फूफा
- सास-ससुर
- साले-साली
- बेटा-बहू
- बेटी-दामाद

आदि।

6. परिवार भारतीय विचारों का पोषक।
7. पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ करना।
8. परिवार सांस्कृतिक विरासत का वाहक।
9. परिवार समाज और राष्ट्र निर्माण में सहायक।
10. सामाजिक एकता एवं समरसता में सहायक।

# विषय बिन्दु

## विषय- पर्यावरण संरक्षण की भारतीय अवधारणा

1. पर्यावरण की संकल्पना।
2. जैविक एवं अजैविक घटकों का समूल।
3. प्रथ्वी पर जीवन का आधार।
4. प्रथ्वी पर जीवन का विकास एवं पोषण।
5. जीवधारी और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंधा।
6. मानव सभ्यता के विकास में पर्यावरण का योगदान।
7. वनस्पति, पेड़-पौधे, पर्वत, नदी, समुद्र में जीवन का दर्शन।
8. आत्मसर्वभूतेषु का भाव।
9. प्रथ्वी पर जीव एवं पर्यावरण संरक्षण में मानव की भूमिका।
10. प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता एवं मानव जीवन का विकास।

# विषय बिन्दु

## विषय- भारतीय शिक्षा दर्शन की अवधारणा।

1. शिक्षा का अर्थ एवं उपयोगिता।
2. चार पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष।
3. समग्र दृष्टि के साथ जीवन यापन।
4. कर्मवाद की प्रधानता।
5. आत्मसंयम एवं वासनाओं का निरोध।
6. ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' की भावना।
7. शिक्षा दर्शन एवं जीवन दर्शन की एकरुपता।
8. ''कृण्वन्तो विश्वमार्यम्'' एवं ''सर्वे भवन्तु सुखिनः'' का भाव।
9. हमारी श्रेष्ठ गुरुकुल शिक्षा प्रणाली।
10. परिश्रम एवं कर्मण्यता का भाव।

# विषय बिन्दु

## विषय- भारतीय शिक्षा मनोविज्ञान की अवधारणा।

1. शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ।
2. मानव व्यवहार का अध्ययन।
3. शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया में सुधार।
4. शिक्षण प्रक्रिया, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन के व्यावहारिक क्रियान्वयन में सहायक।
5. मस्तिष्क द्वारा आत्मपरीक्षण।
6. अंतःकरण चतुष्टय (मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार)।
7. ज्ञानेन्द्रिय एवं कर्मेन्द्रिय का विकास।
8. अवांछनीय व्यवहार का नियंत्रण।
9. मनोविकारों से निवृत्ति।
10. इच्छाओं का परिष्कार एवं अभिप्रेरणा।

# विषय बिन्दु

## विषय- भारतीय जीवन मूल्यों की शिक्षा।

1. संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक मूल्य।
2. शिष्टाचार, देशभक्ति एवं राष्ट्रीयता।
3. सदाचार, परोपकार एवं करुणा।
4. सामाजिक संवेदनशीलता एवं संचेतना।
5. जीवन जीने के सिद्धांत।
6. मनुष्य का अनुशासित जीवन।
7. मानव एवं जीवमात्र के कल्याण की भावना।
8. सांस्कृतिक जीवन मूल्य।
9. चारित्रिक जीवन मूल्य।
10. लक्ष्य प्राप्ति (मोक्ष प्राप्ति) की प्रेरणा।

# विषय बिन्दु

## विषय- भारत का ज्ञान।

1. प्राचीन भारत का ज्ञान।
2. मध्यकालीन भारत का ज्ञान।
3. आधुनिक भारत का ज्ञान।
4. शैक्षिक क्षेत्र में भारत का योगदान।
5. कौशल के क्षेत्र में भारत का योगदान।
6. विज्ञान, गणित एवं तकनीकी के क्षेत्र में भारत का योगदान।
7. कला, संस्कृति एवं साहित्य के क्षेत्र में भारत का योगदान।
8. प्राचीन भारतीय गुरुकुल शिक्षा पद्धति।
9. भारत का सांस्कृतिक स्वरुप।
10. स्वाधीनता का स्वर्णिम इतिहास।

# विषय बिन्दु

## विषय- 21वीं सदी के कौशल।

1. अधिगम कौशल।
2. साक्षरता कौशल।
3. जीवन कौशल।
4. संवाद, रचनात्मकता, तार्किक सोच एवं समन्वय।
5. सूचना, मीडिया एवं डिजीटल साक्षरता।
6. समस्या समाधान नेतृत्व एवं सार्थक उत्पादकता।
7. अधिगम परिणाम एवं दक्षताओं का विकास।
8. कला, संस्कृति एवं खेल समेकन।
9. गुणवत्तापूर्ण आकर्षक एवं प्रभावी कार्य।
10. अद्यतन एवं युगानुकूल परिवर्तन।

# विषय बिन्दु

**विषयः- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सामान्य परिचय एवं शब्दावली।**

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्य।
2. प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा।
3. बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान।
4. शिक्षण की पैडॉगोजी एवं पाठ्यचर्या।
5. शिक्षक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण।
6. समावेशी शिक्षा।
7. स्कूल कॉम्प्लेक्स।
8. विद्यालय का आंकलन एवं प्रमाणीकरण।
9. प्रभावी एवं मॉडल विद्यालय।
10. कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा।

## शब्दावली (Terminology)-

| | |
|---|---|
| 1. NEP | 11. PHD |
| 2. ECCE | 12. INTEGRATED B.ED. |
| 3. FLN | 13. ITI |
| 4. NPST | 14. POLYTECHNIQUE |
| 5. NMM | 15. HOLISTIC ASSESMENT |
| 6. CPD | 16. PARAKH |
| 7. NTA | 17. TET |
| 8. MHD | 18. CBSE |
| 9. NAS | 19. NCERT |
| 10. SAS | 20. SCERT |

# विषय बिन्दु

**विषयः- हमारी वन्दना एवं प्रार्थना।**

1. वन्दना का महत्व।
2. प्रार्थना का महत्व।
3. वन्दना स्थल का परिवेश।
4. वन्दना प्रार्थना का मानस पटल पर प्रभाव।
5. वन्दना में वर्णित गुणों का महत्व।
6. वन्दना का निर्धारित क्रम।
7. वन्दना का शुद्ध उच्चारण स्वर, लय, ताल।
8. वन्दना का औचित्य।
9. वन्दना एवं प्रार्थना का आध्यात्मिक पक्ष।
10. वन्दना एवं प्रार्थना-अंतःकरण शुद्धि।

# विषय बिन्दु

## विषयः- सेवा और समर्पण

1. निःस्वार्थ सेवा का भाव।
2. सबकी खुशहाली।
3. वंचित एवं कमजोर का कल्याण।
4. सम्पर्क एवं संवाद।
5. ग्राम सशक्तिकरण।
6. सुशासन - योजना लाभ।
7. सहयोग की भावना।
8. तन मन धन का समर्पण।
9. समाजसेवा, देशसेवा।
10. स्वच्छ विद्यालय, स्वस्थ देश।
11. स्वाबलम्वन आत्म निर्भरता।
12. सेवा ही समर्पण।
13. सेवाबस्ती में संस्कारकेन्द्र/एकल जनजाति केन्द्र।
14. निशुल्क शिक्षा एवं स्वास्थ्य।
15. सामाजिक, समरसता भाव।

# विषय बिन्दु

**विषयः- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE) की संकल्पना**

1. शारिरिक विकास।
2. संवेगात्मक (भावात्मक) विकास।
3. संज्ञानात्मक विकास।
4. मनोसामाजिक (मानविकी) विकास।
5. भाषा, साक्षरता एवं संख्याबोध का विकास।
6. रचनात्मकता (सृजनात्मकता) का विकास।
7. कला, संस्कृति समेकित अधिगम।
8. खेल समेकित अधिगम।
9. रचनात्मक गतिविधियाँ।
10. **शैक्षिक व्यवस्थाएँ-**

- चित्र पुस्तकालय
- विज्ञान प्रयोगशाला
- वस्तु संग्रहालय
- चिड़ियाघर
- घर
- कार्यशाला
- कलाशाला
- रंगमंच
- क्रीडांगन
- तरणताल
- बगीचा
- प्रदर्शनी